


जगदीश नारायण
जांगड

शमजी लाल जांगड

पत्रावली राजस्व लेख अफास केस्य कोर्ट काबलेक
में पेश हुई। उपपक्ष वकील एवं जजिस्त्री
केस्य कोर्ट में उपस्थित हुए। उपपक्षों
को पत्रावली में उपलब्ध कुरैजात का

Edw. [Signature]
[Stamp]

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
<p>लालर उलफ जाजिड जगदीश रायपण जाजिड मजीलाल जाजिड</p>	<p>हुकम केकल कराया गया। उपपक्षों ने कुरैजा को कले अनुसाल सही होना स्वीकार कर कुरैजा पर अपने-अपने दस्तावेज दिए। वधमीपदा दोसा के फां. नू. क्र. 113/403 दिनांक 8-2-13 के द्वारा पूर्व में प्राप्त कुरैजा पर वर्तमान पर त्वागि पक्षी गिरफ्तार व वधमीपदा दोसा ने अपने-अपने दस्तावेज दिए व कुरैजा में फुटपाई और नीज की जांच शामिल पत्रावली करायी व वधमीपदा दोसा के फां. नू. क्र. 113/403 दिनांक 8-2-13 के सम्मन प्राप्त कुरैजा पर उपपक्ष सक्षम होकर राजी हो गए व अपने-अपने दस्तावेज दिए। अतः वादिया का वाद स्वीकार किया जा रहा है व वधमीपदा दोसा को अपेक्षा दिए जा रहे हैं कि उपपक्षों से ना नितायण अलग-अलग करा एवं लगान कायम किया जावे।</p> <p>(1) वादीगण जगदीश, लालरपहाड, राजीपण! - वादिगण के हिसते में हरे रंग के वादी नू. क्र. 367/1, 368, 373, 375, 380, 381, 434, 441, 442/1, 448, 455, 457, 460/1 एवं 467 कुल क्रि. 14 कुल रकम 3.55 लाख थी।</p> <p>(2) प्रतिवादीगण - प्रदत्तलाल, दत्तकानलक्ष्य व नूदीनायण के हिसते में लाल रंग के वादी नू. क्र. 366/1 व 369/2</p>	<p>मदनलाल जाजिड. जगदीश रायपण जाजिड मजीलाल जाजिड</p> 

जगदीश
वकील कलकत्ता

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियलज जज

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुक्म की तामीन
में जारी हुए

$\frac{367}{0-28}$, $\frac{370}{0-14}$, $\frac{371}{0-21}$, $\frac{372}{0-04}$, $\frac{374}{0-04}$, $\frac{376}{0-19}$, $\frac{377}{0-28}$, $\frac{378}{0-24}$
 $\frac{432}{0-13}$, $\frac{433}{0-07}$, $\frac{435}{0-20}$, $\frac{437}{0-05}$, $\frac{438}{0-07}$, $\frac{439}{0-05}$, $\frac{440}{0-11}$, $\frac{442}{0-13}$
 $\frac{449}{0-09}$, $\frac{450}{0-09}$, $\frac{456}{0-16}$, $\frac{458}{0-31}$, $\frac{460}{0-35}$, $\frac{465}{0-14}$ वरुषा $\frac{467}{0-17}$
 कुल मिठा 24 कुल रकबा 3-56 है. ग्रामि 2 हेमी।

3 व-नं. $\frac{369}{0-13}$ वरुषा $\frac{436}{0-04}$ कुल मिठा 2 कुल रकबा 0-22 है.
 ग्रामि वारीगण एवं उदिकारीगण में सुपुत्ररकबा की ग्रामि
 रकबा जिन्होंने वारीगण एवं उदिकारीगण को $\frac{1}{2}$ - $\frac{1}{2}$
 हिस्सा रकबा।

उक्त वरुषे में पालना हेतु वरुषीगण व उदिकारीगण को
 वरुषीपजारी है। फरारिती जारी है।
 हुक्मन में सुपुत्ररकबा हेतु उक्त रकबा को कानडे वरुषा
 जाद वरुषीगण उदिकारीगण को वरुषा रकबा है। निर्णय
 राजस लोक अदालत में मा को कानडे वरुषा
 के मामले ग्राम में लिखकर जाकर
 सुनाया गया।


 नयावक अदालत
 गीर

